स्पेशलिटी कॉफी

परिचय

स्पेशलिटी कॉफी उच्च क्वालिटी के कॉफी हैं जो दार्ष्टिक क्वालिटी या कप या दोनों के संगत से सामान्य कॉफी से भिन्न हैं। स्पेशलिटी कॉफी को उनके अनोखी विशेषताओं के आधार पर पॉच श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है।

1)कैफीनयुक्त कॉफी

कृत्रिम रुप से कैफीन हटाए गए कॉफी कैफीनमुक्त कॉफी के रुप में जाने जाते हैं। उपभोक्ताओं का एक विशिष्ट खण्ड है जो स्वास्थ्य के प्रति सचेत होने के कारण कैफीनमुक्त कॉफी को प्राथमिकता देते हैं।

1) जैविक कॉफी

उपभोक्ताओं का स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरुकता और वातावरण के संरक्षण के कारण विकसित देशों में बिना रसायनों और नाशिकीटमारों के प्रयोग के बिना उगाए गए कॉफी की मॉग बहुत अधिक है।

2) ऊँचाई में उपजाए गए कॉफी

उच्च उन्नतांशों अर्थात 4000 फीट और अधिक की ऊँचाई पर उपजाए गए कॉफी, फलियों का धीमे विकास के कारण कप में एक विशिष्ट स्वाद और अम्लीयता धारण करने के लिए जाने जाते हैं।

3) एस्टेट कॉफी (एकल मूल कॉफी)

एस्टेट के विशिष्ट विशेषताओं को बताते हुए अच्छी क्वालटी कॉफी के उत्पादन को एस्टेट ब्रैण्डेड कॉफी के रुप में वर्गीकृत किया जा सकता है। ये उन्नयन किस्म, खेती अभ्यास और विशेष प्रसंस्करण तकनीक हो सकते हैं। एस्टेट कॉफी वे हैं जो सामान्य मिट्टी में एकल रुप में और स्वाद और सुगन्ध विशेषताओं की दृष्टि में विशिष्ट पहचा़न के साथ उत्पन्न होते हैं। एस्टेट कॉफी साधारणत: मंहगे होते हैं और वास्तव में स्पेशलिटी कॉफी बाजार को परिभाषित करते हैं।

4) कॉफी किस्म

कुछ किस्में पौधे की आनुवंशिक बनावट के कारण अच्छी निहित क्वालिटी धारण करने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे किस्मों से फलों को उसकी अनोखी क्वालिटी को बनाए रखने के लिए काटकर अलग से संसाधित किया जा सकता है। कुछ भारतीय सेलेक्शन्स जैसे केन्ट्स, अगारो, सियोसी, सी x आर अपनी कप क्वालिटी में अनोखे हैं। इन किस्मों का अलग संसाधन उनके आन्तर प्रसंस्करण में सहायक होते हैं।